ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शनिवार 27 जून 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 75

प्रधानमंत्री मोदी 194 वर्षीय 'जोनाथन' कछुए से मिले, राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने किया स्वागत



24 न्यूज अपडेट

विक्टोरिया (सेशेल्स)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हिंद महासागर द्वीपीय देश सेशेल्स पहुंचे। राजधानी विक्टोरिया स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी ने उनका औपचारिक स्वागत किया। प्रधानमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और भारतीय समुदाय के लोगों ने भी उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। दौरे के पहले दिन प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति हर्मिनी ने सेशेल्स नेशनल बोटैनिकल गार्डन का दौरा किया। यहां दोनों नेताओं ने नारियल पानी पिया और पौधारोपण किया। इसी दौरान प्रधानमंत्री ने दुनिया के सबसे उम्रदराज जीवित जमीनी जीव 'जोनाथन' नामक विशाल कछुए से भी मुलाकात की। माना जाता है कि जोनाथन का जन्म वर्ष 1832 में हुआ था और उसकी उम्र करीब 194 वर्ष है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने उसे दुनिया का सबसे उम्रदराज जीवित जमीनी जानवर माना है। प्रधानमंत्री ने उसे पत्ते भी खिलाए। उम्रदराज होने के बावजूद जोनाथन अब भी सक्रिय है, हालांकि मोतियाबिंद के कारण उसकी दृष्टि कमजोर हो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी 29 जून को सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह समारोह देश की स्वतंत्रता के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। परेड में भारतीय सशस्त्र बलों की एक टुकड़ी और भारतीय नौसेना के दो युद्धपोत भी भाग लेंगे। दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति हर्मिनी के बीच द्विपक्षीय संबंधों, हिंद महासागर क्षेत्र की समुद्री सुरक्षा, ब्लू इकोनॉमी, व्यापार, विकास सहयोग तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा होगी। प्रधानमंत्री सेशेल्स की राष्ट्रीय विधानसभा को भी संबोधित करेंगे और वहां रह रहे भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। सेशेल्स पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह देश भारत का महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी और 'विजन महासागर (MAHASAGAR)' का प्रमुख साझेदार है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 भारत और सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है। दोनों देशों के संबंध आपसी विश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों, विविधता के सम्मान और लोगों के गहरे जुड़ाव पर आधारित हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी की इस वर्ष फरवरी में भारत यात्रा के बाद उनका यह दौरा द्विपक्षीय सहयोग को नई मजबूती देगा और हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, सुरक्षा तथा समृद्धि के साझा प्रयासों को आगे बढ़ाएगा।

महाराष्ट्र में TET पेपर लीक, कल एग्जाम होना था:सरकार ने परीक्षा रद्द की, पेपर ठाणे से बरामद; सरकारी टीचर्स के लिए ये परीक्षा जरूरी



24 न्यूज अपडेट

महाराष्ट्र में शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) का पेपर करीब 24 घंटे पहले लीक हो गया। एग्जाम रविवार को होना था। महाराष्ट्र स्टेट एग्जामिनेशन काउंसिल (MSEC) ने इसके बाद परीक्षा स्थगित कर दी है। नई तारीखों का ऐलान बाद में किया जाएगा।

पुलिस के मुताबिक, पेपर लीक की सूचना के बाद ठाणे के भिवंडी इलाकों के कई जगहों पर छापेमारी की। इसके बाद एग्जामिनेशन काउंसिल के अफसरों को बुलाया और जब्त पेपर को वेरिफाई कराया गया।

पुलिस ने बताया कि इस मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि संख्या नहीं बताई है। यह कार्रवाई एग्जाम के 24 घंटे पहले की गई। परीक्षा में 4.28 लाख ज्यादा उम्मीदवार शामिल होने वाले थे। महाराष्ट्र में टीचर बनने के लिए या जो पहले से सरकारी टीचर हैं, उनके लिए भी TET कंपलसरी है।

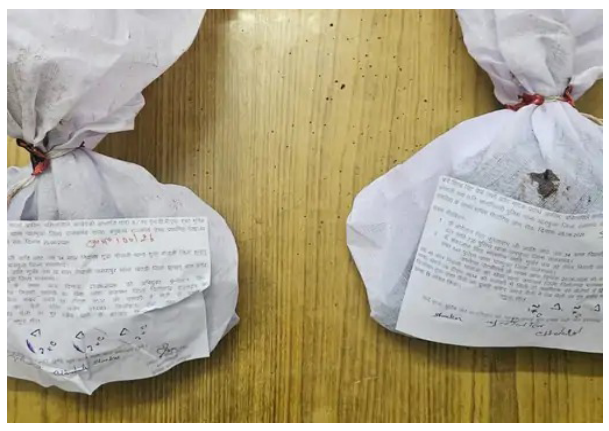
बड़े इंतजाम के बाद भी पेपर लीक, 1,729 सेंटर पर होनी थी परीक्षा

- राज्यभर में 1,729 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।
- 18,000 AI आधारित CCTV कैमरे लगाए गए थे।
- हर केंद्र की निगरानी राज्य और जिला कंट्रोल रूम से होनी थी।
- उम्मीदवारों के लिए बायोमेट्रिक और फेस रिकग्निशन की व्यवस्था थी।
- मेटल डिटेक्टर से जांच की जानी थी।
- मोबाइल, स्मार्ट वॉच और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान पर रोक थी।
- प्रवेश के लिए आधार, पैन, वोटर आईडी या ड्राइविंग लाइसेंस जैसे पहचान पत्र जरूरी थे।
- इससे पहले NEET और यूपी पुलिस भर्ती का भी पेपर लीक हुआ

पिछले 5 साल में देश में 10 बड़े पेपर लीक के मामले सामने आए हैं। इनमें राजस्थान रीट (REET), यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा और हाल ही में मई 2026 में हुए नीट यूजी (NEET-UG) जैसे बड़े एग्जाम्स शामिल हैं।

टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी TET एक राष्ट्रीय स्तर की पात्रता परीक्षा है, जो यह तय करती है कि कोई अभ्यर्थी प्राथमिक और उच्च प्राथमिक कक्षाओं (कक्षा 1 से 8 तक) में टीचर बनने के योग्य है या नहीं। इस परीक्षा को नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजूकेशन (NCTE) ने 2010 में अनिवार्य कर दिया था। केंद्र सेंट्रल TET और राज्य स्टेट TET करवाते हैं।

ऑपरेशन 'त्रिनेत्र' में बड़ी कार्रवाई, 2.810 किलो अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन त्रिनेत्र' के तहत राजसमंद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 2.810 किलोग्राम अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। चारभुजा थाना पुलिस और जिला विशेष टीम (डीएसटी) की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी को बाइक पर बैग में अफीम ले जाते हुए पकड़ा गया। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान चुन्नीलाल (48) पुत्र केशुराम रावत निवासी माताजी का खेड़ा, थाना कपासन, जिला चित्तौड़गढ़ के रूप में हुई है। कार्रवाई के दौरान उसके कब्जे से 2.810 किलोग्राम अफीम बरामद की गई। आरोपी के खिलाफ चारभुजा थाने में प्रकरण संख्या 100/2026 दर्ज कर धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच केलवाड़ा थाना प्रभारी मनमंथ आढ़ा को सौंपी गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा। पूछताछ के दौरान यह पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि अफीम कहां से लाई गई थी, इसे कहां पहुंचाया जाना था तथा इस तस्करी नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। यह कार्रवाई उदयपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक के निर्देशन तथा राजसमंद पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल के सुपरविजन में चारभुजा थाना पुलिस और डीएसटी की संयुक्त टीम ने की। पुलिस का कहना है कि ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

18 साल से फरार 10 हजार का इनामी आरोपी दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार, पुलिस अफसरों के साथ वीडियो भी आए सामने



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। जयपुर पुलिस की वेस्ट जिला टीम ने 18 वर्षों से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी राकेश कुमार जांगिड़ (48) को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया है। आरोपी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भागने की तैयारी में था, लेकिन पुलिस ने तकनीकी निगरानी और खुफिया सूचना के आधार पर उसे 25 जून को एयरपोर्ट से दबोच लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी वर्ष 2008-09 में दर्ज धोखाधड़ी और जालसाजी के चार मामलों में लंबे समय से फरार था तथा जयपुर के सदर थाना क्षेत्र के टॉप-10 वांछित अपराधियों में शामिल था। उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। डीसीपी (वेस्ट) प्रशांत किरण ने बताया कि फरार अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई की। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर कई लोगों को विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपए की ठगी की थी। पीड़ितों से रकम लेने के बावजूद उन्हें न तो विदेश भेजा गया और न ही पैसे लौटाए गए। शिकायतों के आधार पर उसके खिलाफ वर्ष 2008 और 2009 में चार मुकदमे दर्ज किए गए थे। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी ने अपना पैतृक निवास छोड़ दिया था और जयपुर में लगातार ठिकाने बदलकर रह रहा था। उसने अपना आपराधिक रिकॉर्ड छिपाकर दूसरे पते से पासपोर्ट भी बनवा लिया था और विदेश भागने की तैयारी कर रहा था। पुलिस ने समय रहते उसकी योजना विफल कर दी। आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, अमानत में खयानत, जालसाजी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने, फर्जी दस्तावेज का उपयोग करने और आपराधिक षड्यंत्र सहित विभिन्न धाराओं में चार मामले दर्ज हैं। इन मामलों में पुलिस पहले ही न्यायालय में चालान पेश कर चुकी थी, जबकि आरोपी लगातार फरार चल रहा था।

पुलिस अधिकारियों के साथ वीडियो पर भी उठे सवाल गिरफ्तारी के बाद आरोपी से जुड़े कुछ वीडियो भी चर्चा का विषय बन गए हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में राकेश कुमार जांगिड़ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात करता और उनके साथ बातचीत करता दिखाई देता है। एक वीडियो करीब छह माह पुराना बताया जा रहा है, जिसमें वह एक आईपीएस अधिकारी के कार्यालय में जाकर उन्हें गुलदस्ता भेंट करता है तथा सामाजिक और कानून-व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करता नजर आता है। एक अन्य वीडियो में वह तत्कालीन मानसरोवर थाना प्रभारी के साथ भी दिखाई देता है।

जयपुर सेंट्रल जेल में बंदी से रंगदारी वसूलने का आरोप, चार माह में 64 हजार वसूले बंदी की पत्नी ने दर्ज कराया मामला

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। जयपुर सेंट्रल जेल में बंद एक सजायाफ्ता कैदी से अवैध वसूली और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित बंदी की पत्नी ने आरोप लगाया है कि जेल में बंद दो सजायाफ्ता कैदियों ने उसके पति को धमकाकर पिछले चार महीनों में 64 हजार रुपए वसूल लिए। रुपए नहीं देने पर उसके साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकियां भी दी गईं। मामले में लालकोठी थाने में एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जांच अधिकारी एएसआई मनोज कुमार के अनुसार शास्त्री नगर निवासी 23 वर्षीय महिला ने शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने बताया कि उसके पति विष्णु को नवंबर 2025 में आदर्श नगर थाना क्षेत्र में फायरिंग के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में वह जयपुर सेंट्रल जेल में सजा काट रहा है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जेल में बंद सजायाफ्ता कैदी ऋषिराज सिंह उर्फ चेतन बन्ना और विक्रम, जो जेल की चीफ जाली (मुख्य प्रवेश द्वार) पर कार्यरत हैं, लंबे समय से अन्य बंदियों से अवैध वसूली करते हैं। विष्णु के जेल पहुंचने के करीब एक महीने बाद दोनों ने उससे भी रुपए मांगने शुरू कर दिए। महिला का आरोप है कि रुपए देने से इनकार करने पर दोनों आरोपियों ने उसके पति के साथ कई बार मारपीट की और उसे लगातार धमकाया। इसके बाद परिजनों पर दबाव बनाते हुए अपने एक रिश्तेदार के बैंक खाते में रकम जमा करवाने के लिए मजबूर किया। पिछले चार महीनों में अलग-अलग किस्तों में करीब 64 हजार रुपए जमा कराए गए। लगातार हो रही वसूली और धमकियों से परेशान होकर महिला ने दोनों आरोपियों के खिलाफ लालकोठी थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्रकरण दर्ज कर आरोपों की जांच शुरू कर दी है। साथ ही यह भी पड़ताल की जा रही है कि जेल के भीतर अवैध वसूली का कोई संगठित नेटवर्क तो सक्रिय नहीं है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -

desk24newsupdate@gmail.com wathsapp : 8852073787

संपादकीय : शुल्क पर सवाल

विदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण करने रोजगार पाने या फिर भ्रमण का सपना संजोने वाले को अब पासपोर्ट बनवाने के लिए अपनी जेब ढीली करनी पड़ेगी। सरकार ने पासपोर्ट के लिए आवेदन शुल्क की राशि बढ़ा दी है, जिसके तहत अब 36 पन्नों के सामान्य पासपोर्ट के लिए 1,500 रुपए की जगह 2,500 रुपए का भुगतान करना पड़ेगा, जबकि तत्काल सेवा के लिए 3,500 रुपए के बजाय 5,000 रुपए देने होंगे। सरकार की ओर से शुल्क बढ़ोतरी का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है, लेकिन इसका असर निश्चित तौर पर उन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर पड़ेगा, जिनके बच्चों को विदेश में उच्च शिक्षा हासिल करने के अवसर मिलते हैं। साथ ही उन श्रमिकों पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, जो विदेश में रोजगार के जरिए अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारना चाहते हैं। इसी के साथ पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण न मानने को लेकर भी विवाद पैदा हो गया है। सड़क से लेकर राजनीतिक गलियारों में यह सवाल उठने लगा है कि आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन सा दस्तावेज जरूरी है? इसमें दोराय नहीं कि भारतीय विद्यार्थियों का विदेश जाकर उच्च शिक्षा ग्रहण करने में खासा रुझान देखा जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2025 में बारह लाख से अधिक भारतीय विद्यार्थी विभिन्न देशों में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे थे। मगर अब इन छात्रों की संख्या कम होने लगी है। विदेशी शिक्षा संस्थानों में बढ़ती फीस और वीजा नियमों में की जा रही सख्ती से देश के छात्रों के कदम ठिठक रहे हैं। ऐसे में पासपोर्ट के लिए आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी भारतीय छात्रों के इरादों को और कमजोर करेगी। इसी तरह विदेश में रोजगार के लिए जाने वाले श्रमिक वर्ग पर भी इसका विपरीत असर पड़ेगा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2024 में करीब साढ़े तीन लाख भारतीय श्रमिक विदेश गए थे। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या आर्थिक स्थिति के आधार पर पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में रियासत नहीं दी जा सकती है ? सरकार का मकसद सिर्फ राजस्व अर्जित करना ही नहीं, बल्कि आम लोगों की आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देना भी होना चाहिए। यही नहीं, पासपोर्ट के नागरिकता का प्रमाण न होने को लेकर भी एक नई बहस छिड़ गई है। विपक्ष दलों का कहना कि पासपोर्ट, आधार कार्ड, राशन कार्ड या फिर मतदाता पहचान पत्र अगर नागरिकता को साबित नहीं करते हैं, तो फिर इसके लिए कौन सा दस्तावेज जरूरी है। यह विचित्र बात है कि एक तरफ सरकार का दावा है कि पासपोर्ट मुख्य रूप से एक यात्रा दस्तावेज है और यह कभी भी नागरिकता का प्रमाणपत्र नहीं रहा है, तो दूसरी तरफ निर्वाचन आयोग का कहना है कि मतदाता सूची में नाम शामिल किए जाने के लिए अपनी पात्रता साबित करने के वास्ते मतदाताओं को जिन बारह वैध दस्तावेजों की जरूरत होती है, उनमें पासपोर्ट अब भी शामिल है। यह बात छिपी नहीं है कि देश भर में हो रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया में निर्वाचन आयोग की ओर से नागरिकता की आंशिक रूप से जांच की जा रही है। ऐसे में अब यह मांग भी उठ रही है कि सरकार को कानूनी ढांचे में संशोधन कर पासपोर्ट और आधार कार्ड दोनों को भारतीय नागरिकता का वैध और निर्णायक प्रमाण घोषित करना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि आज भी कई देशों में पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाणिक दस्तावेज माना जाता है।

त्रासदी का सबक

दक्षिणी अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए भूकम्प के सात से भी अधिक तीव्रता के दो झटकों से हुई भारी क्षति ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। इस त्रासदी का दायरा इतना बड़ा है कि हजारों नागरिक अब भी लापता हैं । फिलहाल पांच सौ से अधिक लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि हजारों की संख्या में लोग घायल हुए हैं। जाहिर है कि जान-माल की क्षति से इस देश की अर्थव्यवस्था को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई आसान नहीं होगी। गौरतलब है कि वेनेजुएला के नजदीक 'कैरिबियन प्लेट' और 'साउथ अमेरिकन प्लेट' आपस में मिलती हैं। बीते बुधवार को इन प्लेटों के पास भारी हलचल के कारण तीव्र भूकम्प आया। भू-गर्भ विज्ञानियों ने देश में आगामी दिनों में फिर से भूकंप के तेज झटके आने की आशंका जताई है। यह प्राकृतिक आपदा भारत समेत दुनिया के उन तमाम देशों को सचेत करने वाली है, जिन्हें भूकम्प की दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है। हालांकि इनमें से कई देशों में भूकम्परोधी तकनीकों के जरिए बचाव के उपाय किए जा रहे हैं, लेकिन भारत में इस दिशा में कोई खास तैयारी धरातल पर नजर नहीं आती है। भारत की बात की जाए, तो नेशनल सेंटर फार सिसमोलाजी के मुताबिक, यहां के उनतीस शहर भूकम्प की लिहाज से संवेदनशील हैं। देश के उनसठ फीसद भू-भाग को भूकम्प संभावित क्षेत्र माना गया है सिस्मिक जोन-चार में आने वाले देश के सभी बड़े शहरों के मुकाबले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाके अधिक जोखिम में हैं। जबकि कोलकाता, बंगलुरू, मुंबई और चेन्नई जोन-तीन श्रेणी में आते हैं। भारतीय शहरों में तबाही का खतरा इसलिए भी अधिक है, क्योंकि यहां ज्यादातर इमारतें कमजोर हैं। हालांकि, सरकार की ओर से भवन निर्माण में भूकम्परोथी तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया जाता रहा है, लेकिन असल में जमीनी स्तर पर बचाव के इन उपायों को आज भी गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। गुजरात के भुज से लेकर चमोली और उत्तरकाशी में आए भूकम्प की त्रासदी देश ने झेली है। हमें इन सब घटनाओं से सबक लेकर व्यापक स्तर पर बचाव के उपायों को अपनाना होगा, ताकि इस तरह की प्राकृतिक आपदा में नुकसान को कम किया जा सके।

जेट, प्री-पीजी एवं पीएचडी प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण सम्पन्न, 94.45 प्रतिशत रही उपस्थिति



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राज्य के कृषि, उद्यानिकी, वानिकी, मत्स्यिकी, गृह विज्ञान तथा डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालयों में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित राज्य स्तरीय जेट, प्री-पीजी एवं पीएचडी प्रवेश परीक्षा-2026 शनिवार को शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 1.10 बजे तक आयोजित की गई। उदयपुर में परीक्षा के लिए बनाए गए सभी 16 केंद्रों पर सुरक्षा और पारदर्शिता के बीच परीक्षा आयोजित हुई।

जेट परीक्षा के शहर समन्वयक एवं राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर के अधिष्ठाता प्रो. मनोज कुमार महला ने बताया कि उदयपुर में परीक्षा के लिए 6,528 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था। इनमें से 6,166 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 362 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार परीक्षा में 94.45 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई।

उन्होंने बताया कि परीक्षा संचालन के लिए महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों के अलावा राजकीय एवं निजी शिक्षण संस्थानों में कुल 16 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे अभ्यर्थियों के लिए सभी केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. प्रताप सिंह ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सामान्य एवं विशेष अधिकार प्राप्त उड़नदस्तों का गठन किया गया था। सभी परीक्षा केंद्रों पर वीडियोग्राफी कराई गई। परीक्षा कक्ष में मोबाइल फोन ले जाने तथा जूते पहनकर प्रवेश पर प्रतिबंध लागू किया गया था, जिससे परीक्षा की गोपनीयता और अनुशासन बनाए रखा जा सके।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. राम हरि मीणा ने बताया कि परीक्षा का संचालन सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ तथा कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। उन्होंने परीक्षा के सफल आयोजन में समन्वयकों, उड़नदस्तों, केंद्राधीक्षकों, वीक्षकों तथा विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग की सराहना करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

'रिश्वतखोरों की दुनिया को किया बदनाम, पटवारी' सिर्फ एक हजार रुपए लेते एसीबी के हत्थे चढ़ा



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। रिश्वत के बड़े-बड़े मामलों के बीच भीलवाड़ा में एक ऐसा मामला सामने आया जिसने भ्रष्टाचार की दुनिया में भी अलग चर्चा छेड़ दी। नामांतरण खोलने के बदले 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगने वाला पटवारी आखिरकार केवल एक हजार रुपए लेते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के जाल में फंस गया। एसीबी ने आरोपी पटवारी को रंगे हाथ गिरफ्तार कर उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कार्रवाई भीलवाड़ा जिले के करेड़ा थाना क्षेत्र में की गई। एसीबी की टीम ने चिलेश्वर हल्का में पदस्थापित पटवारी लोकेश शर्मा को परिवादी से एक हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। कार्रवाई का नेतृत्व एसीबी के डिप्टी पारसमल ने किया। एसीबी के अनुसार परिवादी ने शिकायत दी थी कि नामांतरण खोलने के एवज में पटवारी ने उससे 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। बाद में बातचीत के बाद रिश्वत की रकम 8 हजार रुपए तय हुई। आरोप है कि पटवारी पहले ही 5 हजार रुपए ले चुका था और शेष राशि के लिए लगातार दबाव बना रहा था। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने उसका सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान भी आरोपी ने परिवादी से एक हजार रुपए की रिश्वत ली और बाकी दो हजार रुपए बाद में लेने की बात कही। शिकायत सही पाए जाने पर एसीबी ने ट्रैप की योजना बनाई। शनिवार को तय योजना के अनुसार जैसे ही परिवादी ने पटवारी को एक हजार रुपए दिए, पहले से तैनात एसीबी टीम ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। तलाशी के दौरान रिश्वत की राशि आरोपी की लोअर की जेब से बरामद हुई। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी गई। एसीबी ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई सरकारी कर्मचारी किसी भी काम के बदले रिश्वत मांगता है तो इसकी सूचना तत्काल एसीबी हेल्पलाइन 1064 या व्हाट्सएप नंबर 9413502834 पर दें, ताकि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

बीएसएनएल का ग्रामीण ब्रॉडबैंड प्लान लॉन्च, 259 रुपए में मिलेगा 25 Mbps इंटरनेट व OTT सुविधा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ाने के उद्देश्य से 'ग्रामीण ब्रॉडबैंड प्लान-259' लॉन्च किया है। इस योजना के तहत गांव-ढाणियों के उपभोक्ताओं को मात्र 259 रुपए प्रतिमाह में 25 एमबीपीएस स्पीड के साथ 700 जीबी डेटा, अनलिमिटेड इंटरनेट, पूरे देश में असीमित वॉइस कॉलिंग तथा वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म की निशुल्क सुविधा मिलेगी। बीएसएनएल ने इसके साथ ही ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए भारत नेट उद्यमी योजना भी शुरू की है। योजना के तहत गांवों के शिक्षित युवा चैनल पार्टनर अथवा भारत नेट उद्यमी बनकर ग्रामीण क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्शन उपलब्ध कराने का कार्य कर सकेंगे और इससे नियमित आय अर्जित कर पाएंगे। बीएसएनएल उदयपुर के प्रधान महाप्रबंधक हरिप्रसाद मीणा ने बताया कि योजना से जुड़ने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रखी गई है। आवेदन के लिए आधार कार्ड और पैन कार्ड अनिवार्य होंगे। इसके अलावा आवेदक के पास सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) पंजीकरण प्रमाण पत्र अथवा जीएसटी पंजीकरण प्रमाण पत्र में से कोई एक दस्तावेज होना आवश्यक है। स्वयं सहायता समूहों को भी इस योजना का हिस्सा बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना के तहत प्रत्येक सक्रिय ब्रॉडबैंड कनेक्शन पर उद्यमी को 50 प्रतिशत कमीशन दिया जाएगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं का विस्तार होने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति उदयपुर, राजसमंद और सलूम्बर जिले के बीएसएनएल उपभोक्ता सेवा केंद्रों से संपर्क कर सकते हैं।

नन्हीं योग साधिकाओं ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, जैनिका और नायशा ने रचा इतिहास



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। योग के क्षेत्र में शहर की दो नन्हीं प्रतिभाओं जैनिका वैभव भंडारी और नायशा सौरभ जैन ने शानदार उपलब्धि हासिल करते हुए नए विश्व रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। दोनों बाल योग साधिकाओं की इस सफलता से परिवार, प्रशिक्षकों और योग जगत में खुशी की लहर है। जैनिका वैभव भंडारी ने समकोणासन की मुद्रा में लगातार 2 घंटे 16 मिनट तक बने रहकर नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया। इस श्रेणी में पहले 2 घंटे 1 मिनट का रिकॉर्ड दर्ज था, जिसे जैनिका ने 15 मिनट अधिक समय तक आसन में रहकर पीछे छोड़ दिया। वहीं नायशा सौरभ जैन ने पद्मासन में लगातार 30 मिनट तक बैठकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस श्रेणी का पूर्व रिकॉर्ड 12 मिनट था। नायशा ने अपने शानदार प्रदर्शन से पुराने रिकॉर्ड को बड़े अंतर से तोड़ते हुए नया इतिहास रच दिया। दोनों प्रतिभाओं ने यह उपलब्धि डॉ. गुनीत मोंगा एवं ईशा विरवानी के मार्गदर्शन और प्रशिक्षण में कठिन अभ्यास के बाद हासिल की। नियमित अभ्यास, अनुशासन और समर्पण ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। इस सफलता में दोनों बच्चियों के माता-पिता की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान लगातार सहयोग, प्रोत्साहन और सकारात्मक माहौल उपलब्ध कराया, जिससे दोनों बालिकाएं अपने लक्ष्य तक पहुंच सकीं।

मोहर्रम पर निकला ताजिया जुलूस, 'या हुसैन' के नारों से गूंजा सागवाड़ा



24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। मोहर्रम के अवसर पर शुक्रवार को सागवाड़ा नगर में मुस्लिम समाज की ओर से पारंपरिक ताजिया जुलूस श्रद्धा और अनुशासन के साथ निकाला गया। 'या हुसैन' के नारों से पूरा नगर गूंज उठा। बड़ी संख्या में समाज के लोगों, युवाओं और बच्चों ने जुलूस में भाग लेकर हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद किया। ताजिया जुलूस मसानिया तालाब स्थित मस्जिद से रवाना हुआ। यह मोचीवाड़ा, पोल का कोठा, पिपली चौक, मांडवी चौक और शुक्लवाड़ा सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः मसानिया तालाब पहुंचा, जहां धार्मिक परंपरा के अनुसार ताजियों को ठंडा किया गया। जुलूस के दौरान युवाओं ने मांडवी चौक, पोल का कोठा और मस्जिद चौक पर अखाड़े के हैरतअंगेज करतब प्रस्तुत किए, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मार्ग के दोनों ओर मौजूद रहे। कई श्रद्धालुओं ने अपनी मन्नत पूरी होने की कामना के साथ ताजियों के नीचे से निकलकर धार्मिक आस्था प्रकट की। जुलूस के शांतिपूर्ण संचालन और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन की ओर से व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। पुलिस उपाधीक्षक रूपसिंह के निर्देशन तथा थाना प्रभारी मनीष खोईवाल के नेतृत्व में जुलूस मार्ग के प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासन की निगरानी में पूरा आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ।

रूचि पालीवाल, अनिल खोईवाल को मिली पीएच.डी. की उपाधि





24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 27 जून / राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय ने सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय में रूचि पालीवाल को राजस्थान में साहित्यिक पत्रकारिता और बदलता परिदृश्य, अनिल खोईवाल को चितौडगढ़ जिले के जल संसाधनों का भौगोलिक अध्ययन विषय पर शोध कार्य करने पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। डॉ. रूचि पालीवाल ने अपना शोध कार्य प्रो. मलय पानेरी, डॉ. अनिल खोईवाल ने प्रो. एल.आर. पटेल के निर्देशन में पूर्ण किया।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

चार साल बाद भी कन्हैयालाल हत्याकांड पर सियासत तेज, गहलोत बोले- भाजपा की डबल इंजन सरकार में भी नहीं मिला न्याय



24 न्यूज अपडेट

जयपुर/उदयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उदयपुर के चर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड के चार वर्ष पूरे होने पर केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की “डबल इंजन” सरकार होने के बावजूद पीड़ित परिवार को अब तक न्याय नहीं मिल पाया है और मामले की सुनवाई बेहद धीमी गति से आगे बढ़ रही है। शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी अपने बयान में गहलोत ने कहा कि यह केवल लापरवाही का मामला नहीं, बल्कि एक सोची-समझी साजिश प्रतीत होती है। उन्होंने दावा किया कि इस मामले के आरोपी भाजपा से जुड़े कार्यकर्ता थे। उन्होंने कहा कि मामले की जांच एनआईए कर रही है और सुनवाई एनआईए की विशेष अदालत में चल रही है, लेकिन केंद्र और राज्य दोनों जगह भाजपा की सरकार होने के बावजूद 180 गवाहों में से अब तक केवल 21 के ही बयान दर्ज हो सके हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान कन्हैयालाल हत्याकांड को लेकर “5 लाख बनाम 50 लाख” का मुद्दा उठाकर लोगों को गुमराह किया, लेकिन उसकी मंशा कभी पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की नहीं थी। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राजस्थान के दौरे पर आते हैं, लेकिन कन्हैयालाल तेली का नाम तक नहीं लेते और न ही दोषियों को सजा दिलाने की कोई चर्चा करते हैं। गहलोत ने प्रदेशवासियों से भाजपा के “असल चरित्र” को पहचानने की अपील करते हुए कहा कि पार्टी ने केवल लोगों की भावनाओं के साथ राजनीति की है।

मामले की सुनवाई अब भी अधूरी

उल्लेखनीय है कि 28 जून 2022 को उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। इस बहुचर्चित मामले की जांच बाद में एनआईए को सौंपी गई थी। दिसंबर 2022 में एनआईए ने गौस मोहम्मद, मोहम्मद रियाज सहित सभी आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र पेश किया था। पिछले 27 महीनों से एनआईए की विशेष अदालत में ट्रायल जारी है। अभियोजन पक्ष के कुल 180 गवाहों में से अब तक केवल 21 की ही गवाही हो सकी है। चश्मदीद गवाह ईश्वर गौड़ और राजकुमार सहित 159 गवाहों के बयान अभी शेष हैं। 18 जून को डीएनए विशेषज्ञ डॉ. राजेश की गवाही प्रस्तावित थी, जो नहीं हो सकी। अब उनकी गवाही 2 जुलाई को निर्धारित की गई है। प्रारंभिक आरोपपत्र में एनआईए ने 166 गवाह सूचीबद्ध किए थे, जबकि जनवरी 2026 में 14 अतिरिक्त गवाहों को भी सूची में शामिल किया गया। मामले के नौ आरोपियों में से जावेद को हाईकोर्ट तथा फरहाद को एनआईए मामलों की विशेष अदालत से जमानत मिल चुकी है, जबकि शेष सात आरोपी अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल में बंद हैं।

मोहर्रम जुलूस में बड़ी वारदात टली, चाकू लेकर घूम रहे तीन युवक गिरफ्तार

पुरानी रंजिश में हमला करने की फिराक में थे आरोपी, पुलिस की सतर्कता से टली घटना



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहर्रम के जुलूस के दौरान धानमंडी थाना पुलिस की सतर्कता से एक संभावित बड़ी वारदात टल गई। भीड़ के बीच संदिग्ध गतिविधियां करते हुए घूम रहे तीन युवकों को पुलिस ने हिरासत में लेकर तलाशी ली तो उनके कब्जे से एक-एक धारदार चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने पुरानी रंजिश के चलते हमला करने की मंशा से जुलूस में आने की बात स्वीकार की। पुलिस ने तीनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अलीपुरा निवासी शोएब खान, आयड़ निवासी मुर्तजा तथा मल्लातलाई निवासी हसीन खान के रूप में हुई है। इनमें से मुर्तजा के खिलाफ पहले से मारपीट का एक मामला दर्ज है। जानकारी के अनुसार मोहर्रम जुलूस के दौरान धानमंडी थाना क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात था। इसी दौरान ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों को तीन युवक भीड़ में संदिग्ध तरीके से घूमते दिखाई दिए। उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के बाद पुलिस ने तत्काल उन्हें रोककर तलाशी ली, जिसमें तीनों के पास से अलग-अलग चाकू बरामद हुए। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पुरानी रंजिश के चलते किसी व्यक्ति पर हमला करने की फिराक में थे। पुलिस ने समय रहते कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया, जिससे जुलूस के दौरान किसी अप्रिय घटना की आशंका समाप्त हो गई और कानून-व्यवस्था प्रभावित होने से बच गई। धानमंडी थाना प्रभारी भंवरलाल माली के निर्देशन में आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि तीनों किसे निशाना बनाने की योजना बना रहे थे और उनके साथ इस साजिश में कोई अन्य व्यक्ति शामिल था या नहीं। इस कार्रवाई में पुलिसकर्मी महेंद्र मीणा और कमल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वरिष्ठ अधिकारियों ने जुलूस के दौरान मुस्तैदी से ड्यूटी निभाने वाले पुलिसकर्मियों की सराहना की है।

सट्टे की काली कमाई पर बारां पुलिस का बड़ा प्रहार, 96.97 लाख रुपये की अवैध संपत्ति फ्रीज

24 वर्षों से सट्टे की खाईवाली कर रहा था सक्रिय अपराधी, 11 मामलों में हो चुका है सजायाफ्ता; पत्नी व बेटे के खातों में भी मिला अवैध धन



24 न्यूज अपडेट

जयपुर 27 जून। बारां पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु के निर्देशन में जुआ, सट्टा, अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना मोठपुर पुलिस ने सट्टे के अवैध कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम बड़ौरा निवासी कुख्यात सट्टा कारोबारी रईस उर्फ रहीस उर्फ अब्दुल रईस अंसारी तथा उसके परिजनों के नाम पर अर्जित 96 लाख 97 हजार 245 रुपये की अवैध संपत्ति एवं बैंक खातों को फ्रीज कर दिया। कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. कमल जांगिड़ के सुपरविजन तथा वृत्ताधिकारी अटरू रामानंद यादव के निर्देशन में थानाधिकारी देवकरण चौधरी एवं उनकी टीम ने की।

जांच में सामने आया कि रईस अंसारी वर्ष 2002 से लगातार सट्टे की खाईवाली कर रहा है। उसके विरुद्ध थाना मोठपुर में आरपीजीओ एक्ट के तहत 11 प्रकरण दर्ज हैं और वह सभी मामलों में सजायाफ्ता है।

गृहणी पत्नी और बेरोजगार बेटा... फिर भी खातों में घूम रहे थे करोड़ों रुपये मोठपुर पुलिस की वित्तीय जांच में सामने आया कि रईस अंसारी (56) निवासी इमाम चौक, बड़ौरा का अपनी आजीविका चलाने के लिए कोई वैध या स्थाई व्यावसायिक जरिया नहीं है, लेकिन इसके बावजूद उसका पूरा परिवार रातों-रात मालामाल हो रहा था। रईस ने भोले-भाले लोगों को सट्टे के अंकों के जाल में फंसाकर करोड़ों की काली कमाई की और कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए इस रकम को अपनी पत्नी और बेटे के बैंक खातों में डायवर्ट कर दिया।

आरोपी की पत्नी सलमा एक साधारण गृहणी है, जिसके पास आय का कोई स्वतंत्र जरिया नहीं है। इसके बावजूद उसके नाम पर विभिन्न बैंकों में 05 एफडी और 01 सेविंग अकाउंट मिले, जिनमें कुल 4,64,836.60 रुपये जमा पाए गए। यह पूरी रकम रईस और उसके बेटे द्वारा सट्टे से कमाकर जमा कराई गई थी। रईस का बेटा शाहिद अहमद पूरी तरह बेरोजगार है, लेकिन उसके खातों में वर्ष 2019 से 2026 के बीच लगभग 2 करोड़ रुपये बाहर से क्रेडिट हुए। उसके एक खाते में 1,15,57,876.95 रुपये क्रेडिट व 1,15,02,991.37 रुपये डेबिट हुए, जबकि दूसरे खाते में 1,00,78,965 रुपये क्रेडिट व 1,00,75,219.24 रुपये डेबिट पाए गए।

वर्तमान में उसके तीन खातों में बची राशि सहित पूरे परिवार की 14 एफडी (69,44,361/- रुपये) और 09 सेविंग अकाउंट्स (27,52,984.40/- रुपये) की कुल जमा पूंजी को पुलिस ने आधिकारिक तौर पर फ्रीज करवा दिया है। काली कमाई से खड़ी की गई अचल संपत्तियां और लग्जरी वाहन चिन्हित सट्टे के इस काले कारोबार से रईस अंसारी ने अपने और परिवार के नाम पर बड़ौरा गांव में भारी-भरकम अचल संपत्तियां भी खड़ी कर ली थीं, जिन्हें पुलिस ने अपनी जांच रिपोर्ट में चिन्हित किया है:

1. ग्राम बड़ौरा के माल में कुल 1.45 हैक्टर कृषि भूमि में से 1/2 हिस्सा खुद मुख्य आरोपी रईस के नाम पर खरीदा गया। अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपए है।
2. आरोपी रईस अंसारी ने 5 मार्च 2025 को ग्राम पंचायत बड़ौरा से एक भूखंड का पट्टा प्राप्त कर उस पर भव्य दो मंजिला मकान का निर्माण करवाया। अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपए है।
3. सट्टे की अवैध रकम से अपनी गृहणी पत्नी सलमा के नाम पर 35×50 साइज का प्लॉट खरीदा और उस पर पक्का एक मंजिला मकान बनवाया। रईस ने सट्टे के पैसों से एक मारुति सुजुकी इको 5-स्टार एसी कार और एक पैशन प्रो मोटरसाइकिल भी खरीदी थी।

गुजरात से बिना ई-रॉयल्टी बजरी ला रहे तीन डंपर जब्त, तीन चालक हिरासत में

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। जिले में अवैध बजरी परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गुजरात से बिना ई-रॉयल्टी बजरी लेकर आ रहे तीन डंपरों को जब्त कर लिया। पुलिस ने तीनों चालकों को हिरासत में लेकर धंबोला थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गुजरात सीमा से बजरी से भरे डंपर बिना वैध ई-रॉयल्टी के सरथूना-पीठ मार्ग से राजस्थान में प्रवेश कर रहे हैं। सूचना मिलते ही डीएसटी ने मौके पर नाकाबंदी कर तीनों डंपरों को रोक लिया। जांच के दौरान चालकों से बजरी परिवहन से जुड़े दस्तावेज और ई-रॉयल्टी मांगी गई, लेकिन वे कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस ने गुजरात नंबर के तीनों डंपरों को जब्त कर लिया। हिरासत में लिए गए चालकों की पहचान महेश पुत्र रामा डामोर निवासी धंबोला, कांजी पुत्र कालू बारिया निवासी सारंगपुर, थाना मेघरज (जिला अरावली, गुजरात) तथा सूखा पुत्र धूला के रूप में हुई है। जब्त डंपरों और चालकों को अग्रिम कार्रवाई के लिए धंबोला थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया है। खनिज विभाग और पुलिस मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि जिले में अवैध खनन और बिना वैध अनुमति खनिज परिवहन करने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

सिगरेट पीते हुए वीडियो बनाया, फिर ब्लैकमेल कर 10वीं के छात्र से ऐंठ लिए 8 लाख के गहने क्लासमेट और उसके साथी पर मामला दर्ज, धमकाकर घर से जेवर-नकदी मंगवाने का आरोप

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजधानी में ब्लैकमेलिंग का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक निजी स्कूल में 10वीं कक्षा में पढ़ने वाले 16 वर्षीय छात्र को उसके ही सहपाठी ने पहले सिगरेट पीते हुए वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया और फिर वीडियो वायरल करने की धमकी देकर करीब आठ लाख रुपए के गहने और नकदी घर से चोरी कर लाने के लिए मजबूर किया। बाद में आरोपी ने अपने एक साथी को भी इस ब्लैकमेलिंग में शामिल कर लिया। मामले का खुलासा होने पर छात्र की मां ने दोनों नाबालिगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित छात्र जयपुर के एक निजी स्कूल में 10वीं कक्षा का विद्यार्थी है। उसी स्कूल और कक्षा में पढ़ने वाला पड़ोस का एक छात्र उसका करीबी दोस्त था। आरोप है कि जनवरी 2026 में सहपाठी ने छात्र का सिगरेट पीते हुए वीडियो बना लिया और उसे माता-पिता को भेजने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। शिकायत के अनुसार आरोपी लगातार छात्र पर दबाव बनाता रहा कि वह घर से गहने और नकदी लाकर दे, अन्यथा वीडियो वायरल कर देगा। विरोध करने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी। डर के कारण छात्र ने कई बार घर से चोरी कर सोने की सात अंगूठियां, तीन जोड़ी झुमके, दो पेंडेंट, एक कनौती सेट, चांदी का कड़ा समेत अन्य आभूषण आरोपी को दे दिए। इन गहनों की अनुमानित कीमत करीब आठ लाख रुपए बताई गई है।

दूसरे दोस्त को भी बनाया ब्लैकमेलिंग का हिस्सा

गहने हासिल करने के बाद आरोपी सहपाठी ने छात्र का परिचय अपने एक अन्य दोस्त से कराया। इसके बाद वह भी छात्र को धमकाने लगा। आरोप है कि दूसरे नाबालिग ने छात्र और उसके माता-पिता को नुकसान पहुंचाने की धमकी देते हुए और गहने लाने का दबाव बनाया। जब छात्र ने बताया कि घर में अब गहने नहीं बचे हैं, तो आरोपियों ने उसे मामा के घर से गहने लाने के लिए कहा। यहां तक कि उन्होंने नकली गहने देकर असली गहने बदलने की योजना भी सुझाई, ताकि किसी को चोरी का शक न हो।

मानसिक तनाव में आया छात्र, परिजनों को बताई पूरी बात

लगातार ब्लैकमेलिंग और धमकियों से छात्र मानसिक तनाव में रहने लगा। उसके व्यवहार में आए बदलाव और गुमसुम रहने पर परिजनों ने उससे पूछताछ की। काफी समझाने के बाद छात्र ने पूरी घटना बताई। इसके बाद परिजनों ने स्कूल प्रबंधन को सूचना दी। स्कूल में दोनों पक्षों की मौजूदगी में हुई बातचीत के दौरान आरोपी सहपाठी ने कथित रूप से स्वीकार किया कि उसने छात्र से गहने मंगवाए थे और बाद में वे अपने साथी को दे दिए। पुलिस ने छात्र की मां की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच में ब्लैकमेलिंग, धमकी देकर चोरी कराने और अन्य संबंधित धाराओं के तहत दोनों नाबालिग आरोपियों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है।

जयपुर में 420 किलो संदिग्ध पनीर जब्त, दुर्गंध आने पर पूरी खेप नष्ट

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। खाद्य सुरक्षा विभाग ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 420 किलोग्राम संदिग्ध एवं मिलावटी पनीर की खेप जब्त कर नष्ट करवा दी। यह पनीर अलवर के रामगढ़ क्षेत्र से जयपुर लाया जा रहा था और शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की खुदरा दुकानों पर सप्लाई किया जाना था। डिप्टी सीएमएचओ (स्वास्थ्य) डॉ. सुरेंद्र गोयल ने बताया कि खो-नागोरियान थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान अलवर के रामगढ़ से आ रही एक पिकअप को रोककर जांच की। वाहन में बड़ी मात्रा में पनीर मिलने पर पुलिस ने खाद्य सुरक्षा विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पिकअप में रखे बॉक्सों की जांच की। निरीक्षण के दौरान पनीर से तेज दुर्गंध आने पर टीम को उसके खराब एवं संदिग्ध होने का संदेह हुआ। इसके बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने जांच के लिए पनीर के नमूने लिए और शेष 420 किलोग्राम खेप को मौके पर ही नष्ट करवा दिया। प्रारंभिक पूछताछ में पिकअप चालक ने बताया कि पनीर अलवर के रामगढ़ स्थित एक डेयरी फर्म से लाया गया था। इसे जयपुर शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की रिटेल दुकानों पर करीब 200 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से सप्लाई किया जाना था। खाद्य सुरक्षा विभाग ने बताया कि लिए गए नमूनों को प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित डेयरी संचालक और अन्य जिम्मेदार लोगों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि मिलावटी एवं असुरक्षित खाद्य पदार्थों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

शिल्पग्राम के आंगन में गूंजी प्रभात की राग-रागिनियां

स्वर-प्रभात में कर्नाटक गायन, हवेली संगीत और सारंगी वादन ने बांधा समां



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 जून। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर एवं संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार प्रातः शिल्पग्राम के आंगन में प्रभातकालीन रागों पर आधारित शास्त्रीय संगीत समारोह स्वर-प्रभात का आयोजन किया गया। उगते सूर्य की प्रथम किरणों के साथ प्रस्तुत भोर की राग-रागिनियों ने शिल्पग्राम परिसर को आध्यात्मिक एवं संगीतमय वातावरण से सराबोर कर दिया।

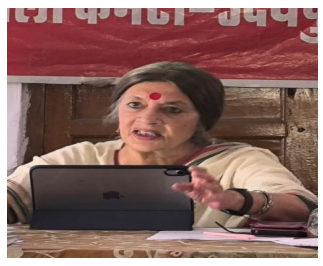
पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर के निदेशक डॉ. अश्विन महेश दलवी ने बताया कि भारतीय शास्त्रीय संगीत में प्रभातकालीन रागों का विशेष महत्व है। इन रागों की प्रस्तुति मन में शांति, एकाग्रता तथा आध्यात्मिक चेतना का संचार करती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन भारतीय संगीत की समृद्ध परंपरा को जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। प्रथम प्रस्तुति अहमदाबाद के प्रसिद्ध कर्नाटक संगीत गायक श्री जयन नायर ने दी। उन्होंने अपनी मधुर एवं भावपूर्ण गायकी से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। सर्वप्रथम राग रेवगुप्ती से अपनी प्रस्तुति का शुभारंभ किया। इसके पश्चात राग गौरी मनोहारी में श्री नारायण वचन पर आधारित मलयालम भजन प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। आगे राग पीलू में श्रीकृष्ण भजन की भावपूर्ण प्रस्तुति दी, वहीं समापन राग सिंधु भैरवी में भगवान शंकर को समर्पित भजन के साथ किया। उनके साथ तबले पर जोबी जॉय, मृदंगम पर मानव नायर, बांसुरी पर पार्था सरकार तथा हारमोनियम पर अंबरीश अय्यर ने प्रभावशाली संगत प्रदान की।

इसके पश्चात उदयपुर के सुप्रसिद्ध सारंगी वादक श्री भगवती प्रसाद ब्यावत ने अपनी मनोहारी प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने राग बिलासखानी तोड़ी में आलाप, जोड़ एवं द्रुत तीनताल की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। इसके उपरांत राग भैरवी की मधुर स्वरलहरियों से कार्यक्रम का वातावरण संगीतमय एवं भावविभोर बना दिया। उनके साथ तबले पर ओम कुमावत तथा पखावज पर यशोदानंदन कुमावत ने संगत की।

अहमदाबाद के आचार्य गोस्वामी रणछोड़लाल जी ने पारंपरिक हवेली संगीत में कार्यक्रम की अंतिम मनोहारी प्रस्तुति दी। उन्होंने राग भैरव में आलापचारी से अपनी प्रस्तुति का प्रारंभ किया। इसके पश्चात चौताल में भोर भए भाव सो..., राग रामकली में झपताल पर आधारित श्याम संग श्याम... तथा राग कालिंगड़ा में आदि ताल पर निबद्ध देखो देख री... की भावपूर्ण एवं शास्त्रीय प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके साथ सारंगी पर अर्पित मंडाविया तथा पखावज पर हिरेन पारेख ने संगत की। भक्ति एवं शास्त्रीय संगीत के अद्भुत समन्वय ने श्रोताओं को आध्यात्मिक अनुभूति से अभिभूत कर दिया। अंत में सभी कलाकारों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन केंद्र के सहायक निदेशक (वित्त एवं लेखा) दुर्गेश चांदवानी ने किया। इस अवसर पर केंद्र के उप निदेशक (कार्यक्रम) पवन अमरावत, अधीक्षण अभियंता सी.एल. सालवी, कार्यक्रम अधिशाषी हेमंत मेहता, राकेश मेहता, दयाराम सुथार, प्रभुलाल गायरी, दीपक नवलखा, सिद्धांत भटनागर, बी. एल. नलवाया सहित केन्द्र के अधिकारी-कर्मचारी, संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली से कार्यक्रम अधिशाषी संजय भारद्वाज, संगीत प्रेमी एवं बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित रहे।

वनाधिकार पट्टों को लेकर बड़ा आंदोलन होगा, आदिवासियों के लिए 'करो या मरो' की स्थिति: वृंदा करात



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पूर्व सांसद एवं आदिवासी राष्ट्रीय अधिकार मंच की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वृंदा करात ने कहा है कि जंगल बचाने के नाम पर सरकार की नजर जंगलों में बसे आदिवासियों पर है, जबकि वास्तविकता यह है कि आदिवासी ही जंगलों के सबसे बड़े संरक्षक हैं। उन्होंने कहा कि अब आदिवासियों के सामने अपने जीवन, सम्मान और संस्कृति की रक्षा के लिए "करो या मरो" की स्थिति है और उन्हें मजबूत जनआंदोलन खड़ा करना होगा। वे शनिवार को माछला मंगरा स्थित शिराली भवन में उदयपुर और डूंगरपुर जिलों में वनाधिकार पट्टों की मांग को लेकर आयोजित युवा प्रशिक्षण शिविर को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र में भाजपा सरकार बनने के बाद राजस्थान में किसी भी नए पात्र व्यक्ति को वनाधिकार का पट्टा नहीं मिला है, जिससे सरकार का आदिवासियों के प्रति रवैया स्पष्ट होता है। उन्होंने भाजपा को आदिवासियों की "दुश्मन नंबर एक" पार्टी बताते हुए कहा कि उसकी नीतियां आदिवासी समाज के अधिकारों को कमजोर कर रही हैं। वृंदा करात ने कहा कि प्रदेश में वनाधिकार कानून के तहत प्राप्त 1.18 लाख से अधिक आवेदनों में से करीब 51 हजार आवेदनों को ही स्वीकृति मिली, जबकि 66 हजार से अधिक आवेदन निरस्त कर दिए गए। उन्होंने बताया कि उदयपुर जिले में भी 22 हजार से अधिक आवेदनों में लगभग 12 हजार स्वीकृत हुए, जबकि करीब 10 हजार आवेदन खारिज कर दिए गए। उनका आरोप था कि वनाधिकार कानून में 25 बीघा तक भूमि का अधिकार होने के बावजूद अधिकांश पात्र परिवारों को केवल दो से चार बीघा भूमि के ही पट्टे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कानून के अनुसार जिला स्तरीय समिति को वनाधिकार पट्टों पर अंतिम निर्णय का अधिकार है, लेकिन सरकारों ने इस व्यवस्था को प्रभावहीन बना दिया है। जंगलों में रहने वाले लोगों को सड़क, बिजली, पेयजल और स्कूल जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं, जबकि कानून में इसके लिए कोई रोक नहीं है। उन्होंने कहा कि "आदिवासी जितनी जमीन पर खेती करता है, वह उसी जमीन का मालिक है" और सरकार, प्रशासन तथा पूंजीपतियों को उसकी भावनाओं से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि वनाधिकार पट्टों के मुद्दे पर उदयपुर जिले में जल्द ही बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा। कार्यक्रम में आदिवासी जनाधिकार एका मंच के प्रदेश अध्यक्ष दुलीचंद मीणा ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने बिना समुचित जांच के बड़ी संख्या में आवेदनों पर "मौके पर कब्जा नहीं पाया गया" लिखकर उन्हें खारिज कर दिया, जिससे हजारों आदिवासी परिवार अपने अधिकारों से वंचित रह गए। उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ने आदिवासियों के साथ न्याय नहीं किया तथा विभिन्न राजनीतिक दलों ने भी उनके मूल मुद्दों की अनदेखी की है। दुलीचंद मीणा ने कहा कि आदिवासी "वनवासी" नहीं बल्कि जंगलों के मूल निवासी हैं और उन्हें किसी धर्म विशेष से जोड़ना भी उनके साथ अन्याय है। उन्होंने जनगणना में आदिवासियों के लिए अलग कॉलम बनाए जाने की भी मांग की। शिविर में माकपा जिला सचिव राजेश सिंघवी, आदिवासी जनाधिकार एका मंच के जिला अध्यक्ष हाकरचंद खराड़ी, जिला सचिव प्रेम पारगी, देवाराम, प्रभुलाल भगोरा, श्रवण, नौजवान सभा के रमेश, डूंगरपुर के बाबूलाल, फाल्गुन बरांडा सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं युवा उपस्थित रहे।

सांसद डॉ रावत ने ग्रामीणों से ही करवाया 2.25 करोड़ रुपए के सडक निर्माण का शिलान्यास

गांव के प्रबुद्दजनों, महिलाओं और युवाओं को शिलान्यास के लिए आगे किया



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सांसद डॉ मन्नालाल रावत ने अपने दौरों के दौरान हटकर काम करने की आदत के मुताबिक शनिवार को भी ग्रामीण क्षेत्रों में सडक शिलान्यास कार्यक्रम में गांव ही प्रबुद्दजनों, महिलाओं और युवाओं को आगे किया और उन्हें ही मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि बनाकर उन्हीं के हाथों से शिलान्यास करवाया।

शनिवार को पंचायत समिति ज़ल्लारा के अंतर्गत ग्राम पंचायत विरवा की लउआ मीणा बस्ती तथा ग्राम पंचायत शेषपुर धौलागढ खेडा के बुडेला फला में प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के तहत लगभग 2.25 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली सडक का शलान्यास कार्यक्रम था। इस दौरान सांसद डॉ मन्नालाल रावत मुख्य अतिथि थे। उन्हें सडक निर्माण कार्य का शिलान्यास करना था, लेकिन उन्होंने गांव के ही प्रबुद्दजनों, महिलाओं और युवाओं को आगे बुलवाया। उनको माला पहनाई और फिर उन्हीं से शिलान्यास करवाया। इससे ग्रामीण भी खूब उत्साहित हुए। इस मौके पर सांसद डॉ रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार एवं राजस्थान सरकार ग्रामीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के माध्यम से दूर दरज के गांवों और ढाणियों को बेहतर सडक सुविधा से जोडा जा रहा है, जिसमे शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं व्यापार को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों, युवाओं, महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर ही है। कार्यक्रम में भाजपा महामंत्री कन्हैयालाल मीणा ने कहा कि वर्तमान सरकार ने धरियावद विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की स्वीकृतियां प्रदान की है। सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में लगातार कार्य हो रहे हैं। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष चंद्रशेखर जोशी, भाजपा मंडल अध्यक्ष हितेश जोशी, मण्डल उपाध्यक्ष नरेश चैबीसा, दिनेश सुथार, किशोर सिंह सलावता, नरेश गर्ग, सुरेश सेवक, जिला मंत्री भुरा भाई पटेल, जिला मिडिया प्रभारी देवन्द्र सिंह बस्सी, मंडल महामंत्री मनोहर सिंह नानगा, वाला राम पटेल, हर्षद कीकोड, गणपत सिंह उपसरपंच काजावाडा कुलदीप सिंह, सरपंच धोलागीर खेड़ा माव जी, माना राम मीणा शेषपुर, सहित अनेक जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित थे।

29 जून को उदयपुर में शिक्षक संगठन की प्रदेश स्तरीय बैठक, आंदोलन की रणनीति होगी तय

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ की प्रदेश कार्यकारिणी, जिलाध्यक्षों एवं जिला मंत्रियों की संयुक्त प्रदेश स्तरीय बैठक 29 जून को दोपहर 2 बजे आरटीडीसी के कजरी होटल, शास्त्री सर्किल में आयोजित होगी। बैठक की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शेर सिंह चौहान करेंगे। प्रदेश महामंत्री गोपाल मीणा ने बताया कि बैठक में शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं विद्यालयों से जुड़े विभिन्न ज्वलंत मुद्दों, लंबित मांगों और संगठन की आगामी रणनीति पर विस्तार से मंथन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बैठक का मुख्य एजेंडा राज्य सरकार के समक्ष लंबित शिक्षकीय मांगों को लेकर आंदोलन की रूपरेखा तैयार करना रहेगा। संगठन राज्य कर्मचारियों के लिए नई भर्ती पर प्रोबेशन अवधि में पूर्व पद के वेतन (पे-प्रोटेक्शन) का वैधानिक अधिकार समाप्त किए जाने के प्रस्ताव का विरोध करेगा तथा इसे यथावत बनाए रखने की मांग करेगा। इसके अलावा वर्ष 2018 के बाद से तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण नहीं होने को भेदभावपूर्ण बताते हुए शीघ्र स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई जाएगी। बैठक में विगत छह सत्रों से लंबित तृतीय श्रेणी से द्वितीय श्रेणी शिक्षकों की विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराने पर भी चर्चा होगी। संगठन सरकार से न्यायालय में प्रभावी पक्ष रखते हुए पदोन्नतियों का मार्ग प्रशस्त करने की मांग करेगा। वहीं वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त तृतीय श्रेणी शिक्षकों के लिए टीईटी परीक्षा अनिवार्यता के मुद्दे पर केंद्र सरकार से समन्वय कर स्थायी समाधान निकालने और प्रभावित शिक्षकों को राहत दिलाने की मांग भी बैठक के एजेंडे में शामिल रहेगी।

गोपाल मीणा ने बताया कि इन प्रमुख मांगों के अलावा विद्यालयों में संसाधनों की कमी, शिक्षकों की प्रशासनिक समस्याएं, विद्यार्थियों के हितों तथा शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने वाले अन्य तात्कालिक मुद्दों पर भी व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में राज्य सरकार की कथित भेदभावपूर्ण नीतियों और तृतीय श्रेणी शिक्षकों के प्रति अपनाए जा रहे दोहरे रवैये से उपजे असंतोष पर चर्चा करते हुए आगे की रणनीति तय की जाएगी।

संगठन उपखंड मुख्यालयों, जिला मुख्यालयों तथा प्रदेश की राजधानी जयपुर तक चरणबद्ध आंदोलन और संघर्ष का खाका तैयार करेगा। पदाधिकारियों का कहना है कि यदि सरकार ने लंबित मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं की तो प्रदेशभर में व्यापक आंदोलन चलाया जाएगा। बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य, सभी जिलाध्यक्ष, जिला मंत्री एवं संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी भाग लेंगे।

श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में उमड़ा श्रद्धा और भक्ति का सैलाब





24 न्यूज अपडेट

उदयपुर,.अरावली लायंस क्लब उदयपुर एवं अरावली लायंस ट्रस्ट, बेदला परिसर में शनिवार को भव्य एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच भगवान श्रीराम, लक्ष्मण एवं माता सीता की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुई। यह भव्य श्रीराम मंदिर सुदर्शन ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के निदेशक एवं समाजसेवी लायन आर.पी. गुप्ता तथा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सपना गुप्ता द्वारा अपने पूज्य पिताजी स्वर्गीय जुगलकिशोर जी एवं माताजी स्वर्गीय सरस्वती देवी जी की पुण्य स्मृति में निर्मित कराया गया है। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ हवन, पूजन एवं वैदिक अनुष्ठानों के साथ हुआ। वैदिक आचार्यों के सान्निध्य में संपन्न हुए इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में लायन सदस्य, धर्मानुरागी, सेवाभावी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे परिसर में जय श्रीराम के जयघोष और भक्ति रस की अनुपम छटा देखने को मिली। इस अवसर पर लायन आर.पी. गुप्ता ने कहा कि मंदिर निर्माण का उद्देश्य केवल एक धार्मिक स्थल का निर्माण करना नहीं, बल्कि अपना घर आश्रम में निवासरत प्रभुजनों को प्रतिदिन भगवान के दर्शन, आरती एवं आध्यात्मिक वातावरण का लाभ प्रदान करना है, जिससे उन्हें सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक शांति और आत्मिक संबल प्राप्त होगा। उपस्थित अतिथियों एवं श्रद्धालुओं ने गुप्ता परिवार के इस सेवा और श्रद्धा से परिपूर्ण कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह मंदिर आने वाले समय में क्षेत्र की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा तथा समाज में सेवा, संस्कार और धर्म के प्रति आस्था को नई दिशा प्रदान करेगा। प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात भगवान श्रीराम की महाआरती एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरा आयोजन श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव का अनुपम संगम बनकर सभी के लिए अविस्मरणीय बन गया।

कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम के एक दिवसीय उदयपुर प्रवास की तैयारियों को लेकर बैठक



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के 3 जुलाई को प्रस्तावित एक दिवसीय उदयपुर प्रवास की तैयारियों को लेकर शनिवार को सर्किट हाउस में बैठक आयोजित हुई। बैठक में राष्ट्रीय समन्वयक एवं पूर्व राज्यमंत्री डॉ. शंकर यादव, उदयपुर देहात कांग्रेस जिलाध्यक्ष रघुवीर सिंह मीणा तथा शहर जिलाध्यक्ष फतेह सिंह राठौड़ मौजूद रहे। कार्यक्रम की सफलता के लिए स्वागत, सभा स्थल, कार्यकर्ताओं की भागीदारी, प्रचार-प्रसार, परिवहन सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां सौंपी गईं। डॉ. यादव ने कहा कि राजेंद्र पाल गौतम का दौरा संगठन को नई ऊर्जा देगा तथा सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा के संदेश को मजबूती से आगे बढ़ाएगा।

बैठक में प्रदेश महासचिव एडवोकेट गणेशलाल जाटोलिया, प्रदेश सचिव यशोदा वर्मा, तुलसी मेघवाल, रंजिता मेघवाल, उदयपुर देहात अनुसूचित जाति विभाग जिलाध्यक्ष गणेशलाल मेघवाल, शहर जिलाध्यक्ष सुरेश सोलंकी, डूंगरपुर जिलाध्यक्ष सुखदेव यादव, बांसवाड़ा अध्यक्ष कालूराम यादव, राजसमंद अध्यक्ष परसराम पौडवाल, चित्तौड़ अध्यक्ष राकेश घारू, सलूंबर अध्यक्ष रूपलाल मेघवाल, अर्जुनलाल मेघवाल, द्रोपदी सालवी, सोहनलाल राजोतिया, मुकेश मेघवाल, नीरज मेघवाल, बगदीलाल मेघवाल, हेमेंद्र, भेरूलाल, मोहनलाल, हरिओम मेघवाल, हेमेंद्र मनौती, अंबालाल सालवी, नवलराम सालवी, दिनेश मेघवाल, गौरव मेघवाल, रवि तरवाड़ी, रामलाल बलाई, लक्ष्मीलाल मेघवाल, हेमंत मेघवाल, मदन सालवी, हंसराज मेघवाल और नरुलाल मेघवाल सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संचालन सुखदेव यादव तथा आभार सुरेश सोलंकी ने व्यक्त किया।

24 न्यूज अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।